B.A.
1 8 JUN 2024

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

G

Sr. No. of Question Paper : 542

Unique Paper Code : 2052101102

Name of the Paper : Hindi Sahitya ka Itihas (Adikal Evam Madhyakal)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi (DSC-2)**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. हिंदी साहित्य के इतिहास में नामकरण की समस्या पर प्रकाश डालिए । (15)

अथवा

हिन्दी-साहित्येतिहास-लेखन की परम्परा का परिचय दीजिए ।

P.T.O.

2. आदिकाल के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

आदिकाल के राजनीतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक परिवेश का वर्णन कीजिए।

3. ज्ञानाश्रयी काव्यधारा की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए। (15)

अथवा

भक्ति आंदोलन और उसके अखिल भारतीय स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

4. रीतिकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (15)

अथवा

रीतिमुक्त और रीतिबद्ध काव्यधारा का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(10+10+10=30)

(क) रासोकाव्य

(ख) नाथ-साहित्य

(ग) जैन-साहित्य

(घ) राम काव्यधारा

(ङ) रीतिसिद्ध काव्य

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

1 8 JUN 2024

Sl. No. of Q.P. : 542

Unique paper code : 2052101101
Name of the paper : Hindi Kavita Aadikal Evam Nirgunbhakti
Name of course : B.A.(Hons) Hindi
Type of Paper : DSE-I
Semester : I
Maximum Marks : 90

अनुक्रमांक :

Time : 3 Hours

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

छात्रों के लिए निर्देश:

1. इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्यहैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (9x3=27)

(क) भयौ एक फुरमान । बान जोगिनिपुर संध्यौ॥
सोइ सबद अरु बान । अग्र अबिचल कर बंध्यौ ॥
भयौ बियौ फुरमान । तानि रष्यौ श्रवनंतरि ॥
तियौ भयौ अनभयौ । हर्‌या पतिसाही धरंतरि ॥
लै दसन रसन तालु असघन । सीस फट्टि दह दिसि गबन॥
सुरतान पर्‌यो षां पुक्करै । भयौ चंद राजन मरन ॥

अथवा

नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे धिरे-धिरे टरलि बोलाब।
समय संकेत निकेतन बइसल बेरि बेरि बोलि पठाव ॥
सामरी तोहरा लागि अनुखने बिकल मुरारि ।।
जमुनाक तिर उपवन उदबेगल फिरि फिरि ततहि निहारि ॥
गौरस बिके निके अबइते जाइते जनि जनि पुंछ बनवारि ।।
तोंहे मतिमान सुमति मधुसूदन वचन सुनह किछु मोरा ।।
भनइ विद्यापति सुन बरजौवति बेन्दह नन्दकिसोरा॥

(ख) इस तन का दीवा करौं, बाती मेल्यूँ जीव।
लोही सीचौं तेल ज्यूं, कब मुखु देखौं पीव।।
सुखिया सब संसार है, खाये अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागे अरु रोवै।

अथवा

मेरी हार हिरांनौं मैं लजाऊ, सास दुरासनि पीव डराऊँ ॥
हार गुह्यौर मेरो राम ताग, विचि विचि मान्यक एक लाग॥
रतन प्रवालै परम जोति, ता अंतरि अंतरि लागे मोति ॥
पंच सखी मिलिहै सुजान, चलहु त जईये त्रिवेणी न्हान ।
न्हाह धोइ कै तिलक दीन्ह, नां जानूं हार किनहूं लीन्ह ॥
हार हिरांनी जन बिमल कीन्ह, मेरौ आहि परोसनि हार लीन्ह ॥
तिनि लोक की जानैं पीर, सब देव सिरोमनि कहै कवीर ॥

(ग) मिलहिं रहसि सब चढ़हिं हिँडोरी। झूलि लेहिं सुख बारी भोरी ॥
झूलि लेहु नैहर जब ताईं। फिरि नहिं झूलन देइहिं साईं ॥
पुनि सासुर लेइ राखिहि तहाँ। नैहर चाह न पाउब जहाँ ॥
कित यह धूप, कहाँ यह छाहाँ। रहब सखी बिनु मंदिर माहाँ ॥
गुन पूछिहि और लाइहि दोखू। कौन उतर पाउब तहँ मोखू ॥
सास ननद के भौंह सिकोरे। रहब सँकोचि दुवौ कर जोरे ॥
कित यह रहसि जो आउब करना। ससुरेइ अंत जनम दुख भरना ॥
कित नैहर पुनि आउब, कित ससुरे यह खेल ॥
आपु आपु कहँ होइहि, परब पंखि जस डेल ॥

अथवा

सखी एक तेइ खेल न जाना। भै अचेत मनिहार गवाँना ॥
कवल डार गहि भै बेकरारा। कासों पुकारौं आपन हारा॥
कित खेलै आइउँ एहि साथा। हार गँवाइ चलिउँ लेइ हाथा ॥
घर पैठत पूँछब यह हारू। कौन उतर पाउब पैसारू॥
नैन सीप आँसू तस भरे। जानौ मोति गिरहिं सब ढरे॥
सखिन कहा बौरी कोकिला। कौन पानि जेहि पौन न मिला ? ॥
हार गँवाइ सो ऐसे रोवा। हेरि हेराइ लेइ जौ खोवा ॥
लागीं सब मिलि हेरै, बूड़ि बूड़ि एक साथ।
कोइ उठी मोती लेइ, काहू घोंघा हाथ ॥

2. 'बानबेघ समय' के आधार पर चंदबरदाई की काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'बानबेघ समय' की रस-योजना की समीक्षा कीजिए। (14)

3. विद्यापति के काव्य-सौंदर्य का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

विद्यापति की गीति योजना पर विचार कीजिए। (14)

4. कबीर की भक्ति-भावना का विवेचन कीजिए।

अथवा

कबीर काव्य के आधार पर गुरु की महत्ता पर प्रकाश डालिए। (14)

5. जायसी की काव्य भाषा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मानसरोदक खंड की अलौकिकता पर प्रकाश डालिए। (14)

6. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए। (7)

(क) बानबेघ समय का प्रतिपाद्य
(ख) कबीर की काव्य भाषा
(ग) विद्यापति की प्रेम भावना

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

18 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.............

LIBRARY
New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 618 **G**

Unique Paper Code : 2052101103

Name of the Paper : Hindi Kahani (DSC-3)

Name of the Course : **B.A. (HONS.) Hindi**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं 'दो' की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10=20)

(क) "राम-राम यह भी कोई लड़ाई है। दिन रात खंदकों में बैठे हड्डियां अकड़ गईं। लुधियाने से दस गुना जाड़ा। और मेह और बरफ ऊपर से। पिंडलियों तक कीचड़ में धंसे हुए हैं। गनीम कहीं दिखता नहीं, घंटे दो घंटे में कान के पर्दे फाड़ने वाले

P.T.O.

LIBRARY

धमाके के साथ सारी खंदक हिल जाती है और सौ-सौ गज धरती उछल पड़ती है। इस गैबी गोले से बचे तो कोई लड़े। नगरकोट का जलजला सुना था। यहाँ दिन में पच्चीस जलजले होते हैं। जो कहीं खंदक से बाहर साफ या कुहनी निकल गई तो चटाक से गोली लगती है। न मालूम बेईमान मिट्टी में लेटे हुए या घास की पत्तियों में छिपे रहते हैं।"

(ख) पत्र-संपादक अपनी शांति कुटी में बैठा हुआ कितनी धृष्टता और स्वतंत्रता के साथ अपनी प्रबल लेखनी से मंत्रिमंडल पर आक्रमण करता है। परन्तु ऐसे अवसर आते हैं, जब वह स्वयं मंत्रिमंडल में सम्मिल्नित होता है। मंडल के भवन में पग धरते ही उसकी लेखनी कितनी मर्मज्ञ, कितनी विचारशील, कितनी न्याय-परायण हो जाती है। इसका कारण उत्तरदायित्व का ज्ञान हैद्य नवयुवक युवावस्था में कितना उद्दण्ड रहता है। माता-पिता उसकी ओर से कितने चिंतित रहते हैं। वे उसे कुल-कलंक समझते हैं; परन्तु थोड़े ही समय में परिवार का बोझ सिर पर पड़ते ही वह अव्यवस्थित- चित्त उन्मत्त युवक कितना धैर्यशील, कैसा शांतचित्त हो जाता है। यह भी उत्तरदायित्व के ज्ञान का फल है।'

(ग) शामनाथ सिगरेट मुहं में रखे सिकुड़ी आँखों से श्रीमती के चेहरे की ओर देखते हुए पत्र-भर सोचते रहे, फिर सिर हिलाकर बोले, "नहीं मैं नहीं चाहता कि उस बुढियां का यहाँ आना-जाना फिर

LIBRARY

से शुरू हो। पहले ही बड़ी मुश्किल से बंद किया था। माँ से कहें कि जल्दी से खाना खा के शाम को अपनी कोठरी में चली जाएँ। मेहमान कहीं आठ बजे आएँगे, इससे पहले ही अपने काम से निबट लें।

(घ) रमेश चौधरी से फोन पर यह समाचार पाकर राकेश भी गहरे अवसाद से भर गया था। उसे विश्वास ही नहीं हों रहा था कि इतनी कुशाग्र बुद्धि का सोनकर आत्महत्या कर सकता है। फोन पर रमेश की आक्रोशित आवाज सुन कर राकेश की उलझने और ज़्यादा बढ़ ग़ई थी। उसके काँपते हाथ में थमा फोन भी थरथरा गया था। बहुत मुश्किल से राकेश फोन क्रेडिल पर रख पाया था... राकेश ने स्वयं को संभालने का प्रयास किया। फिर भी उसे लग रहा था जैसे उसका हृदय डूब रहा है। वह धम्म से कुर्सी में धंस गया। उसके मुहं से अस्फुट शब्द निकले, "सोनकर यह क्यों किया तुमने...!"

2. कहानी के तत्वों के आधार पर 'उसने कहा था' कहानी का विश्लेषण कीजिए। (17)

अथवा

'पंच-परमेश्वर' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

3. 'तीसरी कसम' कहानी में निहित मूल संवेदना की विवेचना कीजिए। (17)

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी आधुनिक सामाजिक मूल्यों में संक्रमण से उपजी मानसिकता की कहानी है।' स्पष्ट कीजिए।

4. 'वारिस कहानी' के आधार पर 'मास्टर जी' का चरित्र-चित्रण कीजिए। (16)

अथवा

'वापसी कहानी' के कथ्य को उद्घाटित कीजिए। (10+10=20)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(क) 'जुम्मन शेख' का चरित्र-चित्रण

(ख) 'तीसरी कसम' कहानी की भाषा-शैली

(ग) 'दोपहर का भोजन' कहानी का सार

(घ) 'घुसपैठिए' कहानी का शिल्प

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

1 8 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 2318 **G**

Unique Paper Code : 2054001002

Name of the Paper : हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद (GE)

Name of the Course : **B.A (Hons.) Hindi**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अनुवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए । (15)

अथवा

भारत के समसामयिक आर्थिक परिदृश्य के संदर्भ में अनुवाद की उपयोगिता लिखिए।

P.T.O.

2. प्रयुक्ति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए। (15)

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

अथवा

अनुवाद की व्यावसायिक सम्भावनाओं का विवरण दीजिए।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (15)

Subramania Bharathi's poetry not only includes works on Hindu deities like Shakti. Kali, Vinayagar, Murugan, Sivan and Krishna. His insightful similes have been read by millions of Tamil readers. He was well-versed in various languages and translated speeches of Indian National reform leaders like Sri Aurobindo, Bal Gangadhar Tilak and Swami Vivekananda. Bharathi's works can be found at Tamil Wikisource Subramaniya Bharathi and also at the open access Tamil literature repository called Project Madurai.

अथवा

Born into an aristocratic Bengali Kayastha family in Calcutta, Vivekananda was inclined from a young age towards religion and spirituality. He later found his guru Ramakrishna and became a monk. After the

LIBRARY

death of Ramakrishna, Vivekananda extensively toured the Indian subcontinent acquiring first-hand knowledge of the living conditions of Indian people in then British India. Moved by their plight, he resolved to help his countrymen and found a way to travel to the United States.

4. निम्नलिखित पंक्तियों का अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए : (15)

पंद्रहवीं–सोलहवीं सदी से भारत में यूरोपीय कंपनियाँ व्यापार के लिए आने लगी थीं जिनमें पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी और ब्रिटिश कंपनियाँ शामिल थीं। इन सभी कंपनियों को उनके देशों की सरकारों का समर्थन हासिल था। इन देशों की सरकारों ने उन्हें सेना रखने और शासन चलाने तक का अधिकार दे रखा था। भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी, जो एक ब्रिटिश कंपनी थी, का आगमन सत्रहवीं सदी में हो गया था । व्यापार के साथ–साथ ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपना राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश भी की ।

अथवा

बारह बज चुके थे। धूप अत्यंत तेज थी और कभी एक–दो व्यक्ति सिर पर तौलिया या गमछा रखे हुए या मजबूती से छाता ताने हुए फुर्ती के साथ लपकते हुए–से गुजर जाते। आधे घंटे तक वहीं उसी तरह पड़ी रहने के बाद उसका मन ठीक हुआ। वह बैठ गई, आँखों को मल–मलकर इधर–उधर देखा और फिर उसकी दृष्टि ओसारे में अध–

टूटे खटोले पर सोए अपने छह वषह्य लड़के प्रमोद पर जम गई। लड़का नंग-धड़ंग पड़ा था. उसके गले तथा छाती की हड्डियाँ साफ दिखाई देती थीं।

अथवा

5. (क) नीचे दिए गए शब्दों में से **किन्हीं दस** (10) का हिंदी प्रतिरूप लिखिए : (10)

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Press Council, Proof Reader, Printer, Dispatch, Allotment, Initials, Bureaucracy, Accountant, Adjustment, Ownership, Adjournment, Exemption, Days of Grace, Judgement

(ख) नीचे दिए गए शब्दों में से **किन्हीं दस** (10) का अंग्रेज़ी प्रतिरूप लिखिए : (10)

नीति, वर्गीकृत विज्ञापन, मुख्य समाचार, अनुज्ञप्ति, अवयस्क, औपचारिक, भत्ता, पहचान-पत्र, जमाकर्ता, प्रबंधन, आपत्ति, दावेदार, क़ानूनी सलाहकार, प्रक्रिया। (10)

6. **किसी एक** पर टिप्पणी कीजिए :

(क) तकनीकी साहित्य के अनुवाद की आवश्यकता

(ख) कुशल अनुवादक के गुण

(ग) बैंकिंग शब्दावली का अनुवाद

(200)

1 8 JUN 2024

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Shyama Prasad Mukherjee College
LIBRARY
New Delhi

G

Sr. No. of Question Paper : 5276

Unique Paper Code : 12051101

Name of the Paper : हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारोपीय भाषा परिवार का परिचय दीजिये ।

अथवा

आदिकाल और मध्यकाल में हिंदी के क्रमिक विकास को स्पष्ट कीजिये । (14)

2. हिंदी भाषा के विभिन्न बोली वर्गों का संक्षिप्त परिचय दीजिये ।

P.T.O.

अथवा

हिंदी के अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ पर प्रकाश डालिए । (14)

3. भाषा के विकास में लिपि के महत्व पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

भाव लिपि और चित्र लिपि का विस्तृत परिचय दीजिये । (14)

4. देवनागरी लिपि के आंरभिक रूप का परिचय देते हुए उसके विकास का उल्लेख कीजिये ।

अथवा

देवनागरी लिपि के गुणों एवं दोषों का विवेचन कीजिये । (14)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (6,6,7)

(क) लिपि की आवश्यकता

(ख) हरियाणवी

(ग) देवनागरी लिपि की सीमाएँ

(घ) पहाड़ी हिंदी वर्ग की बोलियाँ

(ङ) आधुनिक काल में हिंदी का विकास

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

1 8 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Syama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 512 **G**

Unique Paper Code : 2052102301

Name of the Paper : Bhartiya Sahitya

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : III – DSC-7

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10+10)

(क) देखकर तब विकल क्रौंची,

व्याध - चरित - अधर्म,

बह चली वाणी सहज

ले द्रवित उर का मर्म !

अथवा

बताऊँ मित्र, तुम्हें वह क्या करती मिलेगी
सजा रही होगी देव देवियों के निमित्त नैवेद्य
या कि रही होगी आंक कल्पना प्रसूत विरह-खिन्न
मेरा यह शरीर
रही होगी पूछ पिंजड़े में टँगी मिठबोली मैना से....
गुणवन्ती बोल, आते भी हैं वह तुम्हें याद?
है जान से प्यारी थी!

(ख) ऐसो रामराइ अंतरजामी।
जैसे दरपन माहि बदन परवानी ।। रहाउ ।।
बसै घटाघट लीपन छीपै। बंधान मुकता जात न दीसै ।।1।।
पानी माहि देषु मुषु जैसा। नामें को सुआमी बीठलु औइसा ।।2।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

अथवा

मुझ पर वे चाहे हंसें, हजारों बोल कसें
हंस लेने दो - पर होगा इसका खेद किसे?
मैं होऊं शिव की सच्ची भक्त अगर मन से
क्या मैला होता मुकुर राख के गिरने से?

(ग) कुछ दिन बाद एक दिन सवेरे किसी काम से घर से बाहर जाते समय देखा, मेरी दुहिता द्वार के पास बेंच के ऊपर बैठकर अनर्गल बातें कर रही है और काबुलीवाला उसके पैरों के पास बैठा मुस्कुराता हुआ सुन रहा है और बीच-बीच में प्रसंगानुसार अपना मतामत भी मिश्रित बांग्ला में व्यक्त कर रहा है। मिनी को अपने पंचवर्षीय जीवन की अभिज्ञता में पिता के अतिरिक्त ऐसा धैर्यवान श्रोता कभी नहीं मिला था।

अथवा

LIBRARY New Delhi

पीत वस्त्र, श्याम शरीर अति रूचिकर।
पंकज नयन मंद-मंद मुस्कान।।
मणिमय मुकुट और कुण्डल झूलें।
उन्हें देख कामदेव को भी भूलें।।
माणिक और मोतियों का हार।
चमकें ज्यूँ गगन के तारे अपार।।
चरणों में मणि जडित कड़े हैं।
यह कृष्ण दास, शंकर कहे हैं।।

2. संस्कृत लौकिक साहित्य के स्वरूप और उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

उर्दू साहित्य का विस्तार से विश्लेषण कीजिए।

3. कालिदास कृत उत्तरमेघ में व्यक्त विरह-भावना पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

सप्तवर्णः रामकाव्य का जन्म की भाषा शैली की विशेषताएँ लिखिए।

4. संत नामदेव की भक्ति-भावना का वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

ललद्यद के पदों की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

5. काबुलीवाला कहानी की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

'रामविजय' नाटक के कथ्य को स्पष्ट कीजिए।

LIBRARY

18 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 571 **G**

Unique Paper Code : 2052102302

Name of the Paper : Hindi Natak Evam Ekanki
हिन्दी नाटक एवं एकांकी

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- (10×3=30)

(क) कोऊ नहीं पकरत मेरो हाथ।
बीस कोटि सुत होत फिरत मैं हा हा होय अनाथ।।
जाकी सरन गहत सोइ भारत सुनत न कोउ दुखगाथ।।
दीन बन्यौ इत सों उत डोलत टकरावत निज माथ।
दिन-दिन बिपति बढ़त सुख छीजत देत कोऊ नहिं साथ।
सब बिधि दुख सागर में डूबत धाइ उबारौ नाथ।।

P.T.O.

571
Shyama Prasad Mukherjee College
LIBRARY
New Delhi

अथवा

फूट बैर और कलह बुलाऊं, ल्याऊँ सुस्ती जोर।
घर-घर में आलस फैलाऊँ, छाऊँ दुख घनघोर ।। मुझे...
काफिर काला नीच पुकारूँ, तोड़ूँ पैर और हाथ।
दूँ इनको संतोष खुशामद, कायरता भी साथ ।। मुझे...
मरी बुलाऊँ देस उजाड़ूँ, महँगा करके अन्न।
सबके ऊपर टिकस लगाउँ, धन है मुझको धन्न ।।
मुझे तुम सहज न जानो जी, मुझे इक राक्षस मानो जी ।।

(ख) मेरी रक्षा करो। मेरे और अपने गौरव की रक्षा करो। राजा, आज मैं शरण की प्रार्थिनी हूँ। मैं स्वीकार करती हूँ, कि आज तक मैं तुम्हारे विलास की सहचरी नहीं हुई, किन्तु वह मेरा अहंकार चूर्ण हो गया है। मैं तुम्हारी होकर रहूँगी। राज्य और सम्पत्ति रहने पर राजा को, पुरुष को बहुत-सी रानियाँ और स्त्रियाँ मिलती हैं, किन्तु व्यक्ति का मान नष्ट होने पर फिर नहीं मिलता।

अथवा

विवाह की विधि ने देवी ध्रुवस्वामिनी और रामगुप्त को एक भ्रान्तिपूर्ण बन्धन में बाँध दिया है। धर्म का उद्देश्य इस तरह पद दलित नहीं किया जा सकता। माता और पिता के प्रमाण के कारण से धर्म-विवाह केवल परस्पर द्वेष से टूट नहीं सकते; परन्तु यह सम्बन्ध उस प्रमाणों से भी विहीन है। और भी (रामगुप्त

को देखकर) यह रामगुप्त मृत और प्रव्रजित तो नहीं, पर गौरव से नष्ट, आचरण से पतित और कर्मों से राजकिल्विषी क्लीव है। ऐसी अवस्था में रामगुप्त का ध्रुवस्वामिनी पर कोई अधिकार नहीं।

(ग) सोते में विकराल हाथों की लौह-जकड़ और जागते में यमवाहन की चीत्कार-सा वंशीरव। यह कैसी यातना है- न सोते चौन, न जागते शान्ति। जीते हुए मृत्यु और मृत्युमय जीवन। सोने और जागने का अन्तर मिट गया। जीवन और मृत्यु की अन्तर्रेखा धुँधली पड़ती जा रही है। और धुँधल के में रूप ले रहे हैं- कुछ प्रश्न। मूर्तिमान प्रश्न-क्या हर अत्याचार आत्मयंत्रण है? क्यों हर हत्या आत्महत्या है?

LIBRARY

अथवा

यदि मैं बचपन ही से ऐसे वातावरण में पली हूँ जहाँ सफाई और सलीके का बेहद ख्याल रखा जाता है तो इसमें मेरा क्या दोष? वे सफल और व्यवस्था की मेरी इच्छा को घृणा बताते हैं। मैं बहुतेरा यत्न करती हूँ कि इस सब सफाई-वफाई को छोड़ दूँ, इन तकल्लुफात को तिलांजलि दे दूँ, पर अपने इस प्रयास में कभी-कभी मुझे अपने आपसे घृणा होने लगती है। बचपन से जो संस्कार मैंने पाये हैं उनसे मुक्ति पाना मेरे लिए उतना आसान नहीं। पर नहीं। मैं इन सब बहमों को छोड़ दूँगी। पुरानी आदतों से छुटकारा पा लूँगी। वे समझते हैं, मैं उनसे नफरत करती हूँ।

2. 'भारत दुर्दशा' नाटक के आधार पर भारतेन्दुयुगीन परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए? (15)

अथवा

रंगमंच की दृष्टि से 'भारत दुर्दशा' नाटक की समीक्षा कीजिए?

3. "'ध्रुवस्वामिनी' एक स्त्री विमर्श का नाटक है" -- इस कथन की पुष्टि कीजिए? (15)

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर चन्द्रगुप्त की चारित्रिक विशेषताओं का विवेचन कीजिए?

4. 'कथा एक कंस की' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए? (15)

अथवा

"'कथा एक कंस की' मंचन की दृष्टि से सफल नाट्य कृति है"- इस कथन की समीक्षा कीजिए?

5. 'उत्सर्ग' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए? (15)

अथवा

'तौलिये' एकांकी की तात्विक समीक्षा कीजिए?

1 8 JUN 2024

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.............

Sr. No. of Question Paper : 644 **G**

Unique Paper Code : 2052102303

Name of the Paper : Samanya Bhasha Vigyan

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. भाषा की सम्यक परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

भाषा-विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता पर सोदाहरण विचार कीजिए।

2. ध्वनियों के वर्गीकरण के आधार स्पष्ट करते हुए स्वर और व्यंजन में अंतर लिखिए। (15)

P.T.O.

LIBRARY

अथवा

ध्वनि-परिवर्तन की दिशाओं पर विचार कीजिए।

3. वाक्य के स्वरूप एवं आवश्यकताओं पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

वाक्य-भेद के विभिन्न आधारों पर विचार करते हुए अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार सोदाहरण लिखिए।

4. अर्थ की परिभाषा देते हुए शब्द और अर्थ के संबंधों पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

अर्थ-परिवर्तन के कारण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

5. निम्न में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (10×3)

(i) भाषा-विज्ञान का स्वरूप

(ii) रूप-परिवर्तन की दिशाएं

(iii) स्वनिम और संस्वन में अंतर

(iv) वाक्य के तत्व

(v) अर्थ-प्रतीति के साधन

(vi) अर्थ-निर्णय के साधन

1 8 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Syama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 705 **G**

Unique Paper Code : 2053102002

Name of the Paper : Rashtriya Sanskritik Kavyadhara

Name of the Course : **B.A. HONS. HINDI DSE-2**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिएं गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :- (10×3=30)

(क) देखो तो जग मनुज कहाँ से कहाँ पहुँच कर भाई।

धर्म, नीति, विज्ञान, कला, विद्या, बल, सुमति सुहाई ।।

की उन्नति निज देश जाति, भाषा, सभ्यता, सुखो की।

तुम सबने सीखी वह बान रही जो खान दुखो की।

P.T.O.

वैदिक सत्य धर्म तजकर मनमाने मत प्रगटाये।
ऋषि त्रिकालदर्शी गण के उपदेश भूल दुख पाये।

अथवा

विघ्नों का दल चढ़ आए तो, उन्हें देख भयभीत न होंगें,
अब न रहेंगे दलित-दीन हम, कहीं किसी से हीन न होंगें,
क्षुद्र स्वार्थ की खातिर हम तो कभी न ओछे कर्म करेंगे,
पुण्यभूमि यह भारत माता, जग की हम तो भीख न लेंगे।

(ख) आरंभ जब जो कुछ किया, हमने उसे पूरा किया,
था जो असंभव भी उसे संभव हुआ दिखला दिया।
कहना हमारा बस यही था विघ्न और विराम से-
करके हटेंगे हम कि अब मरके हटेंगे काम से।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

अथवा

गलबाहें हो या हो कृपाण, चलचितवन हो या धनुषबाण
हो रसविलास या दलितत्राण, अब यही समस्या है दुरन्त-
वीरों का कैसा हो बसंत, कह दे अतीत अब मौन त्याग
लंके तुझमें क्यों लगी आग, ऐ कुरुक्षेत्र अब जाग-जाग
बतला अपने अनुभव अनंत-वीरों का कैसा हो बसंत।

(ग) लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे ।
उड़ते खग जिस ओर मुंह किए, समझ नीड़ निज प्यारा ।।
बरसाती आँखों के बादल, बनते जहां भरे करुणा जल ।
लहरें टकराती अनंत की, पाकर जहां किनारा ।।
हेम कुम्भ ले उषा. सवेरे, भरती ढुलकाती सुख मेरे ।
मंदिर ऊँघते रहते जब, जगकर रजनी भर तारा ।।

LIBRARY

अथवा

मानवता का मर्मी सुजान! आया तू भीति भगाने को,
अपदस्थ देवता को नर में फिर से अभिषिक्त कराने को ।
तू चला, लोग कुछ चौंक पड़े, तूफान उठा या आंधी है?'
ईसा कि बोली रूह, 'अरे! यह तो बेचारा गांधी है ।'

2. राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा का परिचय देते हुए उसकी प्रमुख प्रवृतियों का उल्लेख कीजिए । (15)

अथवा

स्वाधीनता आंदोलन में राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

3. ‘देश दशा’ कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

‘यह है भारत देश हमारा’ कविता में कवि ने भारत की किन विशिष्टताओं की ओर संकेत किया है प्रकाश डालिए।

4. ‘पुष्प की अभिलाषा’ कविता राष्ट्र के प्रति आत्मोंत्सर्ग की कविता है स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

‘आजादी के फूलों पर जय जय’ कविता का भावार्थ लिखिए।

5. ‘विप्लव गान’ कविता के आधार पर कवि बालकृष्ण शर्मा ‘नवीन’ की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

‘जागो फिर एक बार’ कविता एक संबोधन गीत है स्पष्ट कीजिए।

LIBRARY

(2500)

1 8 JUN 2024

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No. ....

LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 2175 **G**

Unique Paper Code : 2054001003

Name of the Paper : Hindi Cinema aur Uska Adhyyan (GE)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. व्यावसायिक सिनेमा की विशेषताओं का परिचय दीजिए । (18)

अथवा

जनमाध्यम के रूप में सिनेमा की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए ।

2. सिनेमा अध्ययन की विभिन्न दृष्टियों का परिचय दीजिए । (18)

P.T.O.

अथवा

हिंदी सिनेमा ने राष्ट्रीय भावना को जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्लेषण कीजिए।

3. कैमरे के बिना सिनेमा की कल्पना नहीं की जा सकती-सिद्ध कीजिए। (18)

अथवा

सिनेमा और सेंसरबोर्ड के अंतर्संबंध को स्पष्ट कीजिए।

4. सिनेमा समीक्षा के विविध पक्षों का विवेचन कीजिए। (18)

अथवा

'सदगति' फिल्म की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्ही **तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (6+6+6=18)

(i) समानान्तर सिनेमा

(ii) संगीत और नृत्य

(iii) सिनेमा में अभिनय पक्ष का महत्व

(iv) कला सिनेमा

(v) काबुलीवाला

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

1 8 JUN 2024

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : **5234**

LIBRARY G New Delhi

Unique Paper Code : 12051301

Name of the Paper : Hindi Sahitya ka Itihas (Adhunik Kaal)

Name of the Course : **BA (Hons) Hindi – CBCS**

Semester : III

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. हिंदी नवजागरण से आप क्या समझते हैं? भारतेन्दु युगीन साहित्य पर नवजागरण कालीन परिस्थितियों के प्रभाव का आकलन कीजिए।

अथवा

हिंदी पत्रकारिता में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान की समीक्षा कीजिए। (15)

P.T.O.

2. हिंदी कहानी की विकास-यात्रा का विवेचन किजिए।

अथवा

हिंदी निबंध का विकासात्मक परिचय दीजिए। (15)

3. उत्तर छायावादी काव्य के परिवेश और प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

प्रयोगवादी काव्य के परिवेश और प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए।

4. समकालीन कविता की प्रमुख विशेषताओं को उदाहरण सहित समझाइए। (15)

अथवा

आदिवासी विमर्श की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(क) मध्यकालीन बोध और आधुनिक बोध

(ख) संस्मरण

(ग) नवगीत

(घ) दलित विमर्श

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY

18 JUN 2024

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 5210 **G**

Unique Paper Code : 12051501

Name of the Paper : Pashchatya Kavyashastra

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अरस्तू के त्रासदी सिद्धांत का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

उदात्त की अवधारणा पर विचार करते हुए उनके अवरोधक तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

2. कॉलरिज के कल्पना सिद्धांत का निरूपण कीजिए। (12)

P.T.O.

अथवा

वस्तुनिष्ठ सहसंबंध सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

3. स्वच्छंदतावाद पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

संरचनावाद का सामान्य परिचय दीजिए।

4. प्रतीक को उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

बिंब से आप क्या समझते है ? बिंब के विविध प्रकारों का विवेचन कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (9,9,9)

(क) विरेचन सिद्धांत

(ख) काव्य भाषा पर वर्ड्सवर्थ

(ग) मार्क्सवादी आलोचना

(घ) निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

(ङ) मिथक

18 JUN 2024 (S)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 5532 G

Unique Paper Code : 12057506

Name of the Paper : Kosh Vigyan, Shabdkosh aur Vishwakosh

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi – DSE

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कोश किसे कहते हैं ? एक अच्छे कोश में किन किन गुणों का होना आवश्यक हैं।

P.T.O.

अथवा

हिंदी कोश का उपयोग करते समय संयुक्त व्यंजन वर्णों से संबंधित नियमों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (12)

2. कोश निर्माण में शब्द संकलन एवं चयन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी शब्द कोश के निर्माण में प्रविष्टि का अर्थ स्पष्ट करते हुए शब्द के अर्थ और विस्तार का उल्लेख कीजिए। (12)

3. कोश वर्गीकरण का आधार बताते हुए बहुभाषी कोश की विशेषताएँ बताइये।

अथवा

विषय आधारित कोश से आप क्या समझते हैं भूगोल कोश की महत्वपूर्ण विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (12)

4. वर्तमान समय में ई-कोश के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए इसकी विशेषताऐं बताइए।

LIBRARY New Delhi

अथवा

हिंदी शब्द कोश की विशेषताएँ बताते हुए किसी एक हिंदी शब्द कोश का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (12)

5. किन्हीं तीन पर उत्तर दीजिए : (9×3=27)

(i) फादर कामिल बुल्के

(ii) निम्नलिखित शब्दो को अंग्रेज़ी वर्णानुक्रम में लिखिए :

Absolute, Account, Along, Amazon, Appeal, Active, Avoid, Acceptance, Active

(iii) हिंदी कोश के वर्णानुक्रम में लिखिए :

निगरानी, निजी, निगूढ, निठल्ला, निचला, निडर, नित, निछावर, निवारण

(iv) अंग्रेज़ी पारिभाषिक शब्दावली के हिंदी रूप लिखिए :

Executive, Allowance, Frequency, Council, Decode, Lingua France, Petition, Handicraft, Manifesto

(v) हिंदी पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेज़ी रूप लिखिए :

आपत्ति, शपथ पत्र, कार्यवाही, माननीय, अभियुक्त, प्रतिकूल, संशोधन, बकाया, अभिलेख

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

18 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5364 **G**

Unique Paper Code : 12057502

Name of the Paper : Hindi Bhasha Ka Vyavaharik Vyakaran

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भाषा की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए । (12)

अथवा

हिन्दी स्वरों का वर्गीकरण कीजिए ।

2. शब्द की परिभाषा देते हुए रचना के आधार पर शब्दों के भेद लिखिए। (12)

अथवा

हिन्दी के अविकारी शब्दों का परिचय देते हुए उनके भेद लिखिए।

3. संज्ञा शब्दों की रूप-रचना का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

पद के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए शब्द और पद का अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद उदाहरण सहित लिखिए। (12)

अथवा

वाक्यगत अशुद्धियों के विभिन्न रूपों का वर्णन कीजिए।

5. (क) किन्हीं चार शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : (2)

संतुलीत, धर्मचार्य, शरणार्थि, अविष्कार, व्यावस्थित, अविभकत, अनवेषण, अभीव्यक्ति

Shyama Prasad Mukherjee College New Delhi LIBRARY

(ख) निर् और अनु उपसर्ग से बनने वाले दो-दो शब्द लिखिए। (2)

(ग) तम और ईय प्रत्यय से बनने वाले दो-दो शब्द लिखिए। (2)

(घ) किन्हीं **चार** शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : (2)

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

महर्षि, इत्यादि, सर्वाधिक, गिरीश, नरेन्द्र, परोपकार, उत्तरोत्तर, भारतेन्दु

(ङ) किन्हीं **चार** समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए : (2)

यथासंभव, पंचवटी, चरण-कमल, तुलसीकृत, सुख-दुख, चक्रधर, चतुर्भुज, दानवीर

(च) किन्हीं **चार** शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए : (2)

निज, वीर, लघु, नवीन, बंधु, हरा, सर्व, पढ़ना

6. टिप्पणी लिखिए :

(क) हिन्दी की मात्राएं अथवा सर्वनाम के भेद (8)

(ख) व्याकरण का महत्त्व अथवा संयुक्त वाक्य (7)

Shyama Prasad Mukherjee College
LIBRARY
New Delhi

18 JUN 2024

6

29M

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 5255 **G**

Unique Paper Code : 12051502

Name of the Paper : हिन्दी नाटक, एकांकी

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (9×3=27)

(क) रोअहु सब मिलिकै आवहु भारत भाई।

हा ! हा ! भारत-दुर्दशा न देखी जाई।।

सबके पहिले जेहि ईश्वर धन बल दीनो

सबके पहिले जेहि सभ्य विधाता कीनो।

P.T.O.

अथवा

भारतकिरिन जगत् उँजियारा ।

भारतजीव जिअत संसारा ।।

भारत वेदकथा इतिहास ।

भारत वेद प्रथा परकासा ।।

(ख) यह कसक अरे आंसू सह जा ।

बनकर विनम्र अभिमान मुझे

मेरा अस्तित्व बता, रह जा ।

बन प्रेम छलक कोने-कोने

अपनी नीरव गाथा कह जा

करुणा बन दुखिया वसुधा पर

शीतलता फैलाता बह जा ।

अथवा

रानी, तुम भी स्त्री हो। क्या स्त्री की व्यथा न समझोगी? आज तुम्हारी विजय का अंधकार तुम्हारे शाश्वत स्त्रीत्व को ढक ले, किन्तु सबके जीवन में एक बार प्रेम की दीपावली जलती है।

जली होगी अवश्य। तुम्हारे जीवन में वह आलोक का महोत्सव आया होगा, जिसमें हृदय, हृदय को पहचानने का प्रयत्न करता है, उदार बनता है और सर्वस्व दान करने का उत्साह रखता है। मुझे शकराज का शव चाहिए।

(ग) बकरी को क्या पता था
मरकर बन के रहेगी,
पानी भरेंगे लोग
और वह कुछ न कहेगी,
जा-जा के सींच आएगी
हर एक की क्यारी,
मर कर के भी बुझाएगी
वह प्यास तुम्हारी।

अथवा

तब मैं स्वयं तलवार लेकर कुँवर की रक्षा करूँगी। भैरवी बनकर युद्ध करूँगी। मरते-मरते मैं उसकी तलवार के टुकड़े-टुकड़े कर दूँगी। उसके और मेरे कुँवर के बीच में मेरे खून का समुद्र लहराएगा जिसे वह इस जीवन में पार भी न कर सकेगा।

2. 'भारत-दुर्दशा' नाटक का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

'भारत-दुर्दशा' नाटक की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

3. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

नाटक के तत्त्वों के आधार पर ध्रुवस्वामिनी की समीक्षा कीजिए।

4. 'बकरी' नाटक में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'बकरी' नाटक की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

5. 'सूखी डाली' का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

एकांकी के तत्त्वों के आधार पर 'तीन अपाहिज' की समीक्षा कीजिए।

(3500)

18 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 5368 **G**

Unique Paper Code : 12057506

Name of the Paper : **कोश विज्ञान : शब्द कोश और विश्व कोश**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कोश का स्वरूप बताते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

हिन्दी कोश के वर्णानुक्रम और स्वर की मात्रा उपयोग के प्रमुख नियम कौन से हैं ? उदाहरण सहित प्रकाश डालिए ।

2. कोश निर्माण में शब्द–संकलन और शब्द–चयन की भूमिका स्पष्ट कीजिए । (12)

अथवा

कोश निर्माण में शब्द के अर्थ और विस्तार के प्रमुख बिंदुओं को लिखिए ।

3. कोश वर्गीकरण के विभिन्न आधार बताते हुए आकार के आधार पर कोश का विस्तृत वर्णन कीजिए । (12)

अथवा

विषय के आधार पर कोश का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

4. फादर कामिल बुलके के अंग्रेजी – हिन्दी शब्दकोश का परिचय दीजिए । (12)

LIBRARY

अथवा

भाषा के आधार पर द्विभाषी और बहुभाषी कोश के भेदों का वर्णन कीजिए ।

LIBRARY

5. किन्हीं तीन का उत्तर दीजिए : (9,9,9)

(i) शब्द- प्रयुक्तियां

(ii) निम्नलिखित शब्दों को अंग्रेजी वर्णानुक्रम में लिखिए :

EXHIBITION, ENTERTAINMENT, EXAMINATION, EQUIPMENT, EMERGENCY EMBARRASSED, EXCHANGE, EXHAUSTED, EXCELLENT

(iii) हिंदी कोश के वर्णानुक्रमानुसार लिखिए :

क्षेत्र, कृषि, क्लिष्ट, क्या, अंक, कौन, क्रम, क्षत्रप, कंगन

(iv) अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली के हिंदी रूप लिखिए :

AMENDMENT, BACKLOG, ENROLMENT, NATIONALITY, PARLIAMENTRY,UNIQUE, STRATEGY, TRAINEE, VOLUNTARY

(v) हिंदी पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी रूप लिखिए :

आरोप, प्रभार, संविदा, आदेश, सत्यापन, प्रतिवेदन, अनुच्छेद, विधेयक, प्रभाग

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

18 JUN 2024

(5)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 5365 **G**

Unique Paper Code : 12057503

Name of the Paper : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi, DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दलित विमर्श के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्त्रीवाद की विकास-यात्रा का निरूपण करते हुए उसके प्रमुख सरोकारों का उल्लेख कीजिए। (15)

P.T.O.

2. किन्हीं **तीन** अंशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) बारात ठहराने के लिए स्कूल का बरामदा ही मिल पाया था। प्रधान जी ने स्कूल खोल देने की हामी तो भर दी थी। लेकिन ऐन वक्त पर हेडमास्टर कहीं रिश्तेदारी में चले गए थे। काफी भाग-दौड़ के बाद भी चाबी नहीं मिली थी। आखिर हारकर बारात को बरामदे में ही ठहराना पड़ा था। स्कूल में जो हैंडपंप था, एक रात पहले किसी ने उसका हत्था और वाल्व भी खोल लिए थे। पीने के पानी का और कोई इंतजाम वहाँ नहीं था। बड़ी मुश्किल से दो मिट्टी के घड़े ही मिल पाए थे।

अथवा

'कहाँ है मेरा सूरज, कहाँ है मेरा शीतल पवन, कहाँ गई इंद्रधनुषी छटा, कहाँ गई बरसाती फुहारें, कहाँ है मेरी प्यारी समतल भूरी धरती और कहाँ है उस धरती पर खिल रहे रंग-बिरंगे नाना प्रजातियों के मेरे फूल?' गोविंद गुरु अर्धनिद्रावस्था में बहके।

(ख) रहड़ के जगह नाहीं, जोतइ के जमीन कहाँ
कहें देबे गाँव से निसार।
घरवा के नमवाँ पे एकही मड़ैया में,
ससुई पतोहू परिवार।।

मेघा और मगर गोह, साँप मूस खाई हम,
करी गिलहरिया शिकार।
कुकुरा के साथ धाई जुठली पतरिया पै
पेटवा है पपिया भंडार।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

LIBRARY

अथवा

मुरझाने पर मसलकर फेंक दी गई,
जलाई गई।
उसकी राख बिखेर दी गई
पूरे गाँव में।
रात को बारिश हुई झमड़कर।
अगले ही दिन
हर दरवाजे के बाहर
नागफनी के बीहड़ घेरों के बीच
निर्भय-निस्संग चम्पा
मुस्कुराती पाई गई

(ग) एक छोटी लड़की शाम से जंगले पर चुपचाप बैठी हुई है। आज वह खेलने भी नीचे नहीं उतरी। सहेलियाँ आईं, उसने झिड़क दिया। खामोश निगाहें दीवार पर बड़ी होती छायाओं को चुपचाप देख रही है। सूरज डूब गया। वह वहीं बैठी हुई है। हवा में ठंडक बढ़ गई है दाई माँ स्वेटर पहना गईं। उसने पहन लिया। खाने के लिए पूछा तो फिर मना कर दिया। सामने वाले मकान में अपनी दोस्त चित्रा के घर भी खेलने नहीं गई।

अथवा

एक ओर सामाजिक व्यवस्थाओं ने स्त्री को अधिकार देने में पुरुष की सुविधा का विशेष ध्यान रखा है, दूसरी ओर उसकी आर्थिक स्थिति भी परावलंबन से रहित नहीं रही। भारतीय स्त्री के संबंध में पुरुष का भर्ता नाम जितना यथार्थ है उतना संभवत: और कोई नाम नहीं। स्त्री, पुत्री पत्नी, माता आदि सभी रूपों में आर्थिक दृष्टि से कितनी परमुखापेक्षणी रहती है, यह कौन नहीं जानता। इस आर्थिक विषमता के पक्ष और विपक्ष दोनों ही में बहुत-कुछ कहा जा सकता है और कहा जाता रहा है। आर्थिक दृष्टि से स्त्री की जो स्थिति प्राचीन समाज में थी उसमें अब तक परिवर्तन नहीं हो सका, यह विचित्र सत्य है।

3. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (10×3=30)

(क) मदारी पासी की क्रांतिकारिता

(ख) 'मुर्दहिया' में व्यक्त ग्रामीण संस्कृति

(ग) दलित स्त्रीवाद पर आक्षेप

(घ) गोविंद गुरु का व्यक्तित्व

(ङ) 'मैं किसकी औरत हूँ' की मूल संवेदना

(च) आदिवासी पहचान का सवाल और साहित्य में उसकी अभिव्यक्ति

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi